बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

सुन्दर मूर्ख राजा

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest; Alastair Paterson

रूपान्तरकार: Lyn Doerksen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

शमूएल, इस्राएल का न्यायी और अगुआ अब बूढ़ा हो गया था। उसने परमेश्वर की सेवा में उसकी जगह लेने के लिए और इस्राएल का न्यायी बनने के लिए अपने बेटों की

नियुक्ति की।

लेकिन शमूएल के पुत्र दुष्ट थे। वे पैसे से प्यार करते और बेईमानी से पैसे कमाने के लिए अपनी शक्ति का इस्तेमाल किया करते थे।

इस्राएल के लोगों को उसके बेटों की दुष्टता के कारण बहुत कष्ट उठाना पड़ा। अदालतें अनुचित हो गई थी।

लोगों को जितनी बार मदद की जरूरत होती थी उतनी बार शमूएल के बेटों को भुगतान करना पड़ता था।

कुछ तो करना पड़ेगा। एक दिन, इस्राएल के वृद्ध लोगों ने एक साथ एकत्र होकर शमूएल से मदद की गुहार लगाई।

"हमें न्याय करने के लिए एक राजा दे दो," बुजुर्गों ने मांग की। वे शमूएल के दुष्ट पुत्रों को उनका न्याय करने देना नहीं चाहते थे। आसपास के सभी देशों की तरह, वे भी एक राजा चाहते थे।

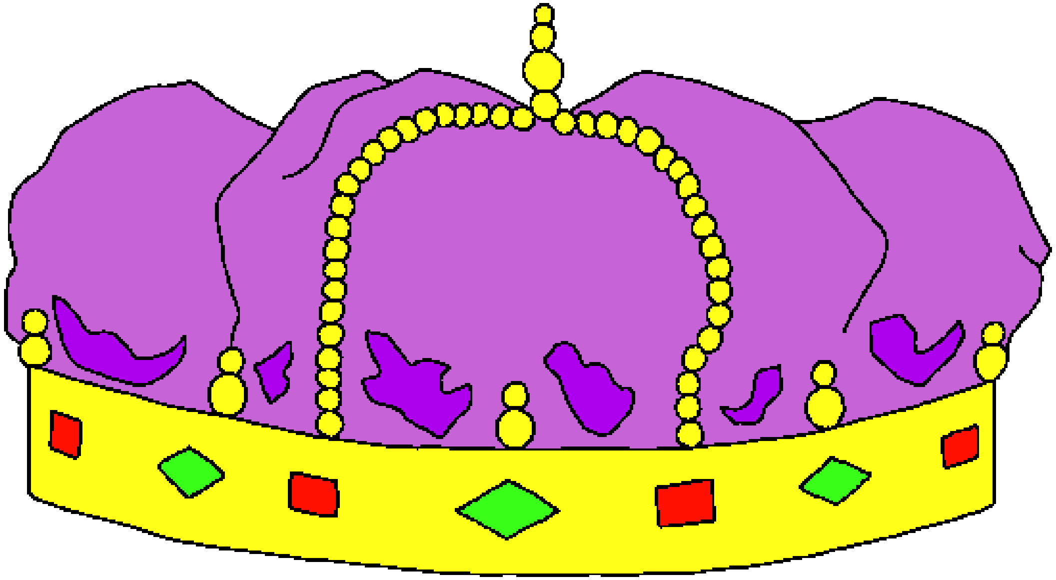

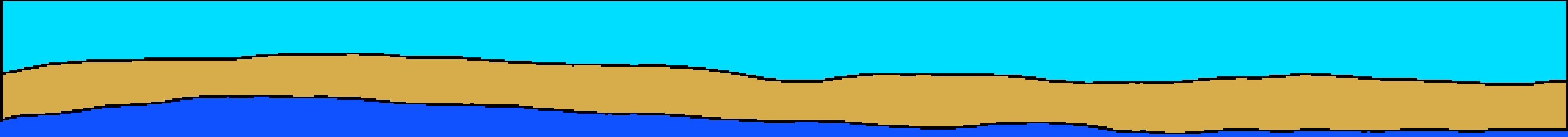

शमूएल बहुत नाराज था। इस्राएल के पास पहले से ही एक राजा था! सर्वशक्तिमान, परमेश्वर, सर्वदा से एक मात्र प्रभु, जो इस्राएल पर राज करता था। कुछ समय पहले वह उन्हें मिस्र की गुलामी से मुक्त किया था। और उन्हें बचाने के लिए लाल समुद्र को दो भाग कर दिया था।

तब वह इस्राएल
को उनके सुंदर देश
को दे दिया।

जब शमूएल ने प्रार्थना की, प्रभु ने कहा,
"वे तुम्हें नहीं बल्कि मुझे अस्वीकार किये
ताकि मैं उन पर
राज्य न करूँ।

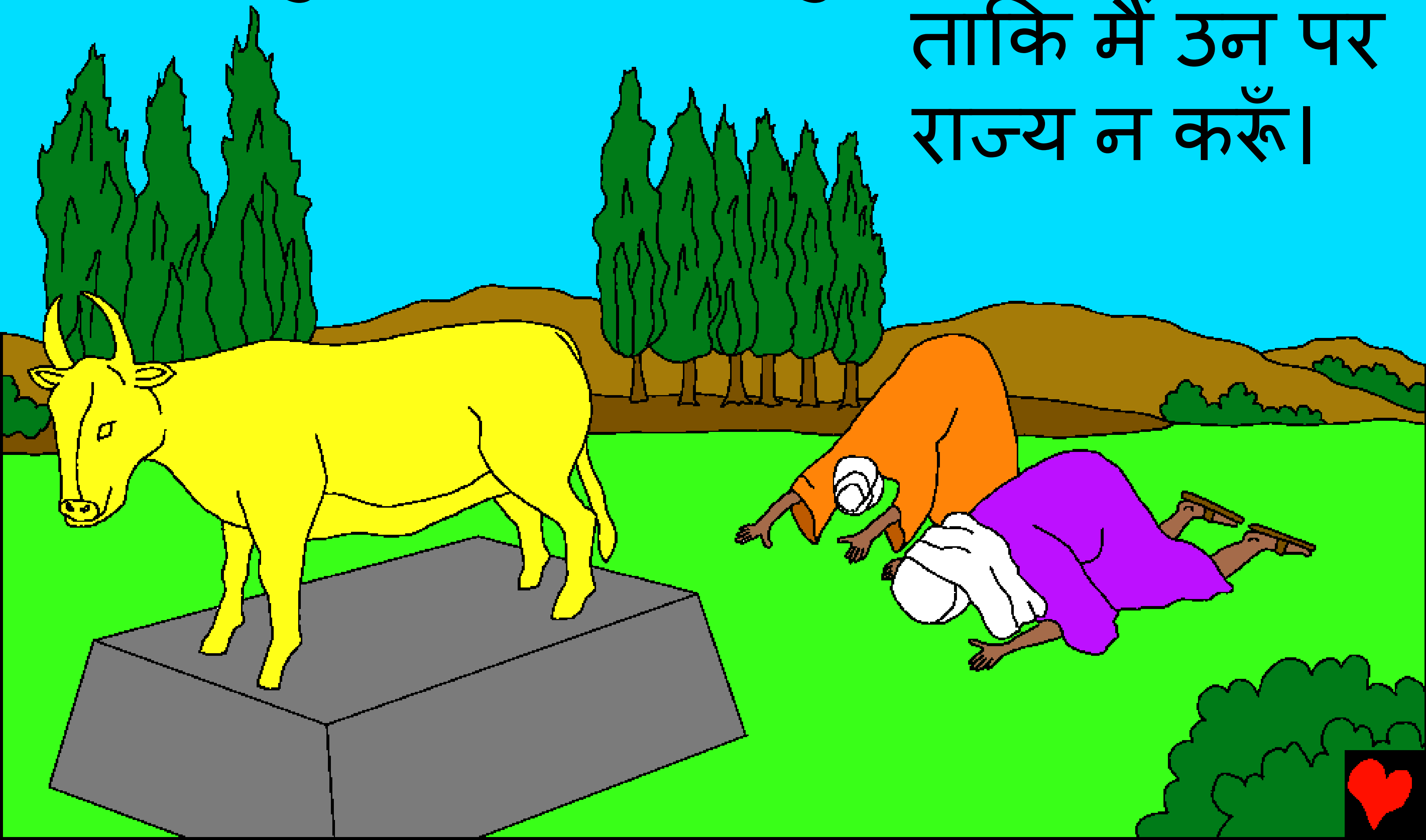

वे अन्य देवताओं की सेवा किये हैं। उनकी पुकार पर ध्यान दे और उनके लिए एक राजा चुन दे।"

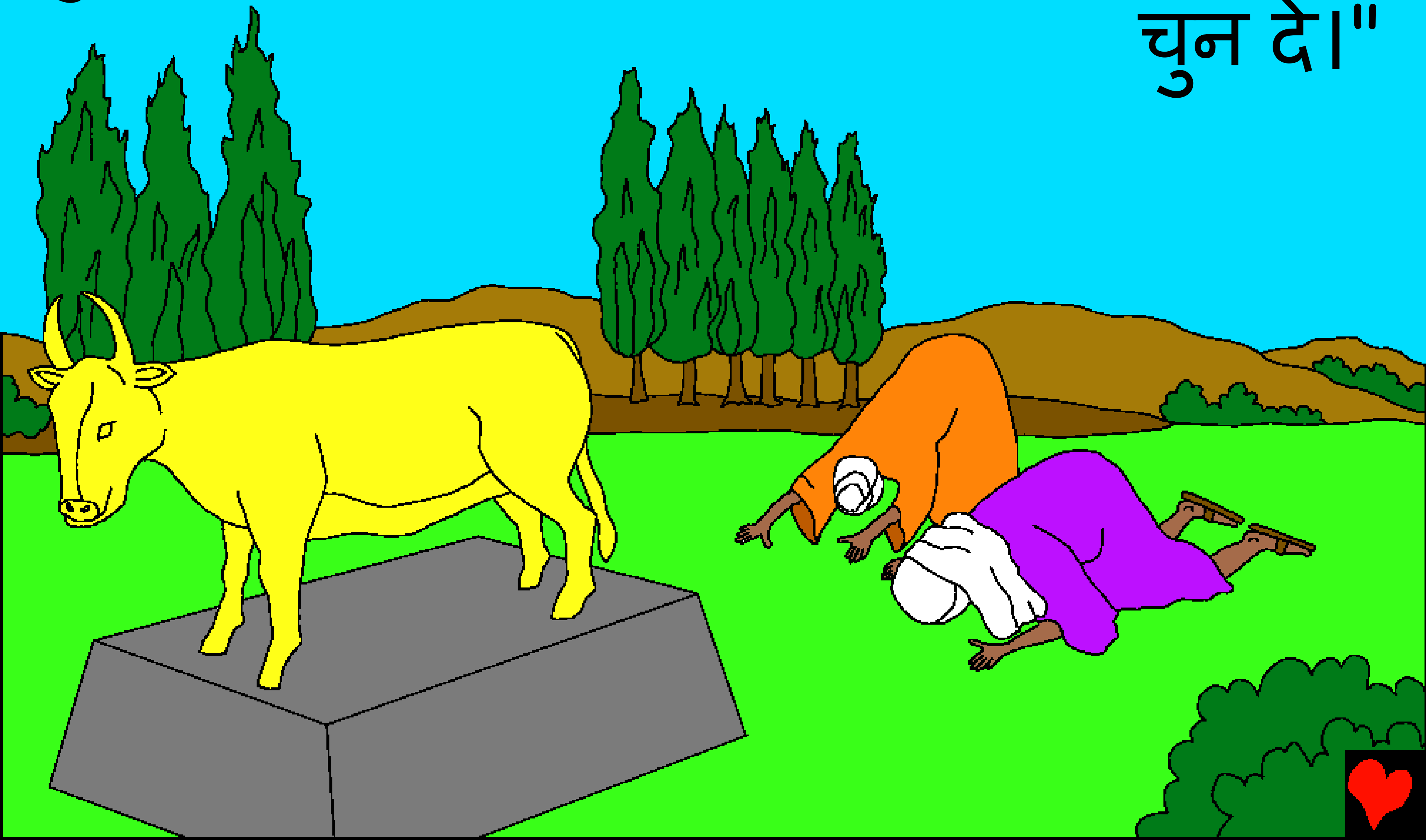

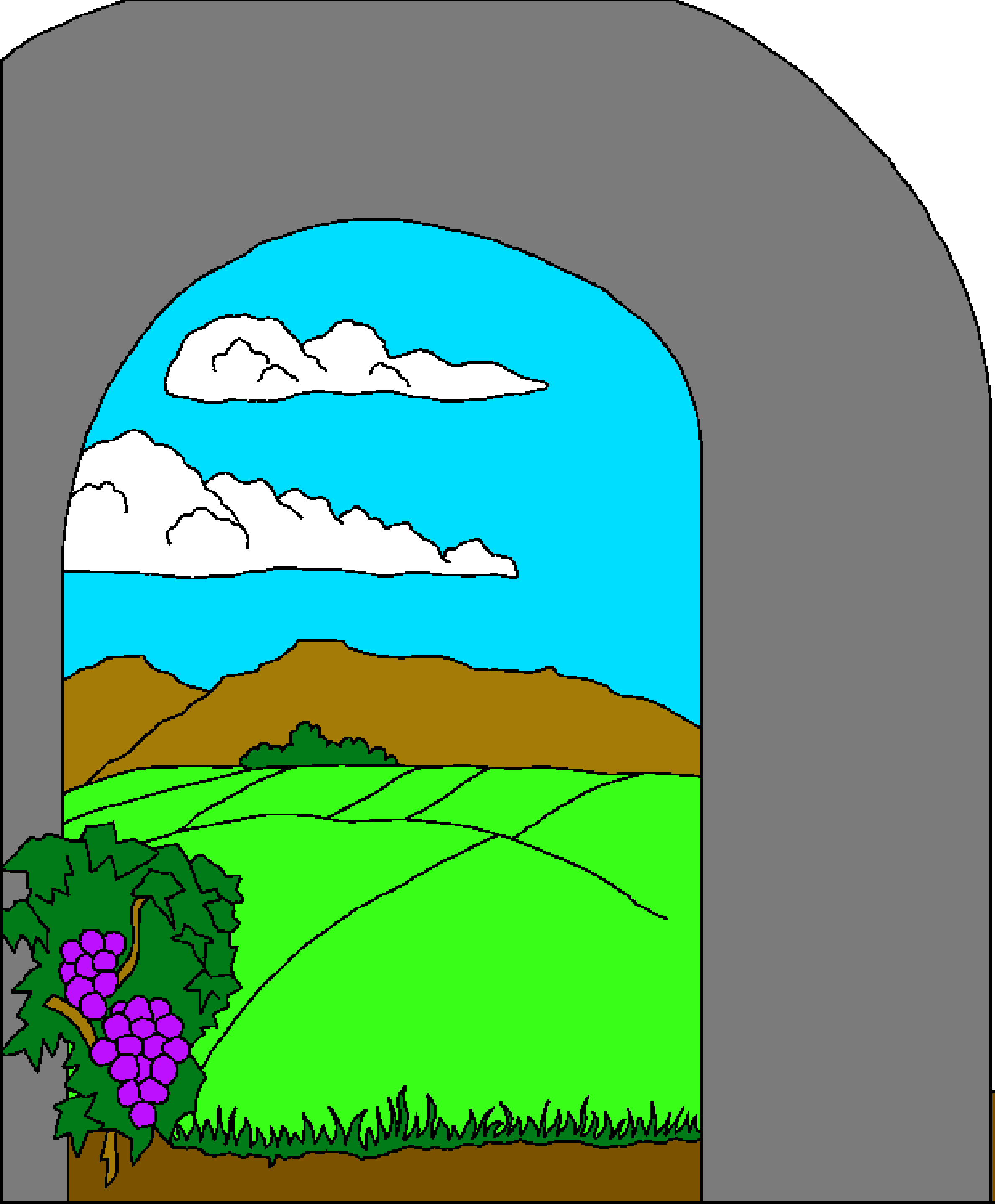

परमेश्वर उन्हें
चेतावनी देने के
लिए शमूएल
से कहा कि;
उनके सांसारिक
राजा उनसे कर
के रूप में पैसे
वसूलेंगे, ...

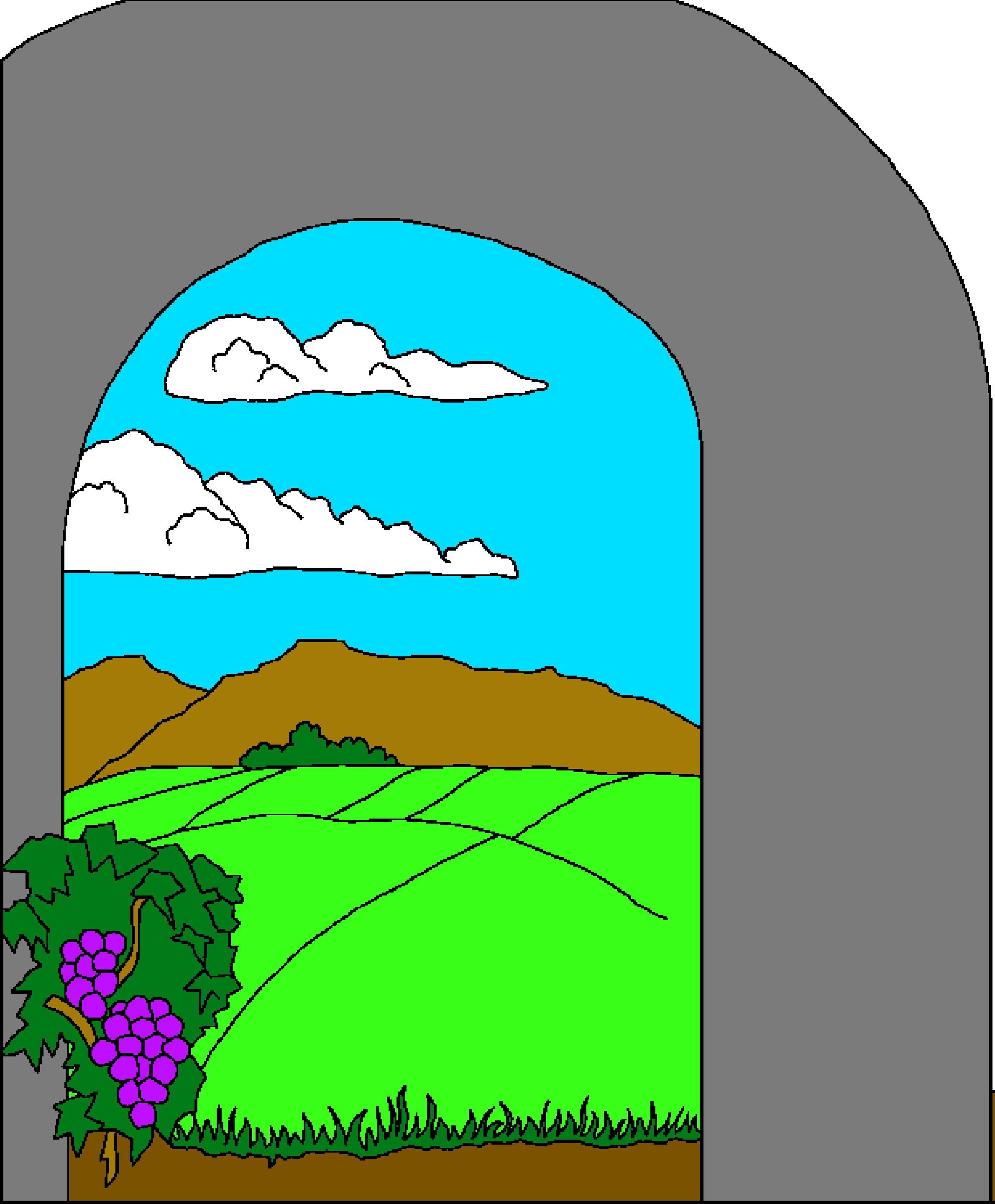

... अपने सर्वश्रेष्ठ खेतों और दाख की बारियां के लिए उनकी मदद लेंगे; अपनी सेनाओं में उनके बेटों को आदेश देंगे; ...

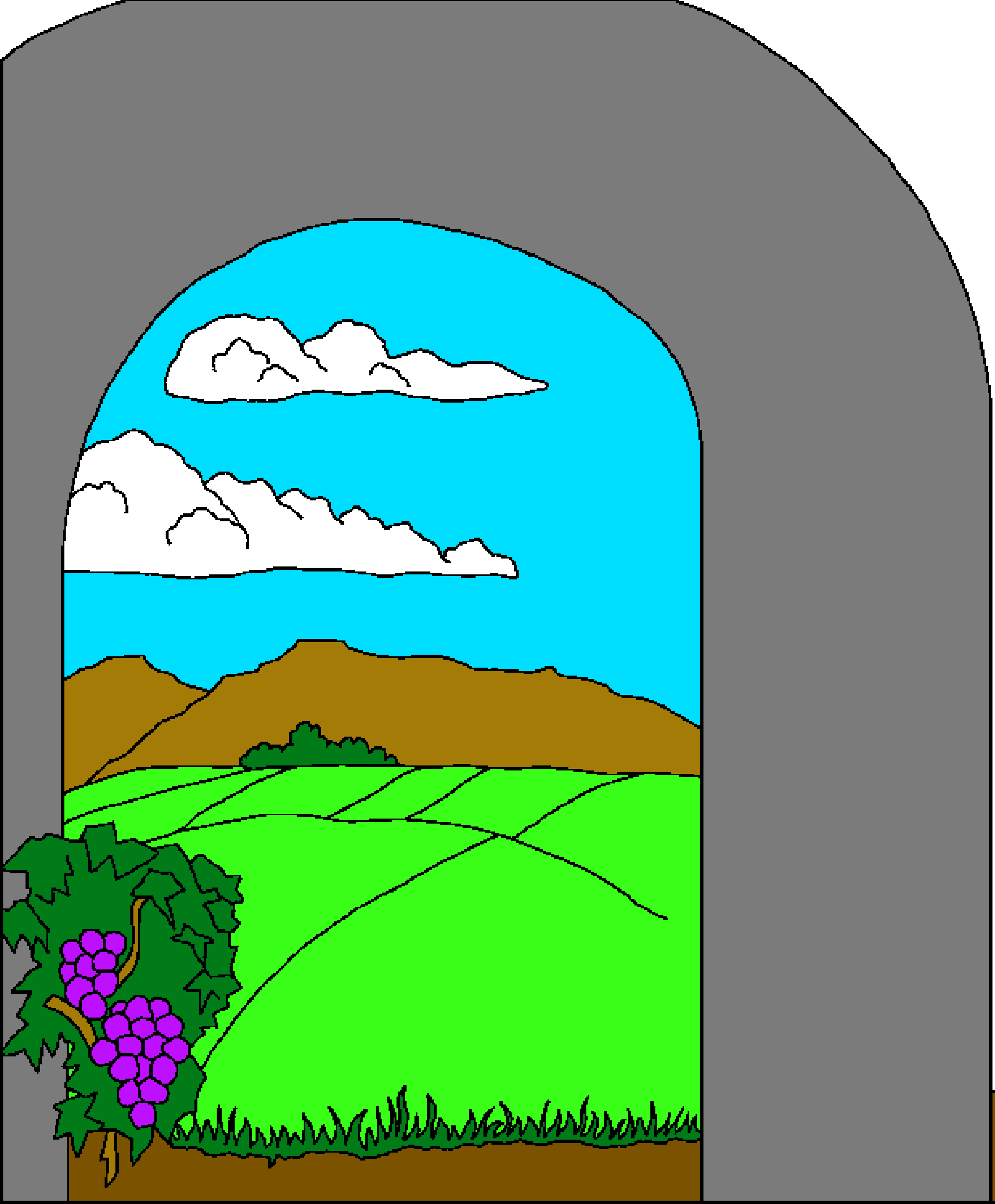

... और
उनकी
बेटियों को
काम करने
के लिए
आदेश जारी
करेंगे।

लेकिन लोगों को कैसे भी एक राजा चाहिए था।

परमेश्वर ने शमूएल को एक, बहुत सुंदर युवक के पास ले गया, बहुत शर्मीला, और बहुत लंबा - सब लोगों में सबसे लम्बा।

उसका नाम शाऊल था। जब शमूएल ने शाऊल को देखा, प्रभु ने कहा, "यह मेरे लोगों पर राज करेगा।"

आज्ञाकारीता से,
शमूएल ने शाऊल का
इस्राएल के राजा के रूप
में अभिषेक किया। जब
वह इस्राएल के लोगों के
सामने शाऊल को
प्रस्तुत किया, वे
चिल्लाये, "राजा
चिरंजीव रहे!"

शीघ्र ही राजा शाऊल का परीक्षण हुआ। अम्मोनियों ने जो इस्राएल से नफरत करते थे।

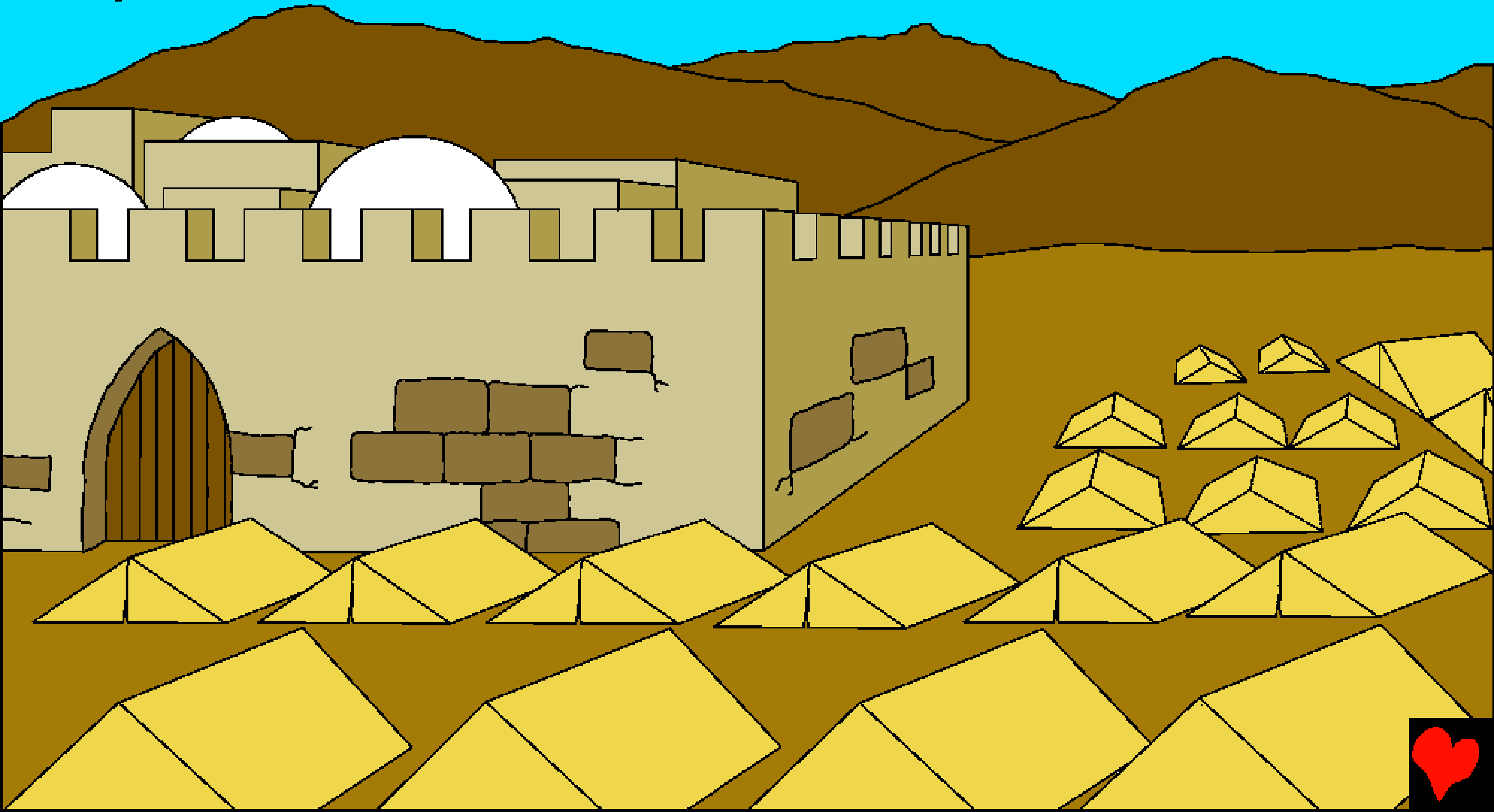

इस्राएल के एक शहर को घेर लिया है और हर आदमी की दाहिनी आंख बाहर निकालने की धमकी दी। क्या ही क्रूर योजना थी!

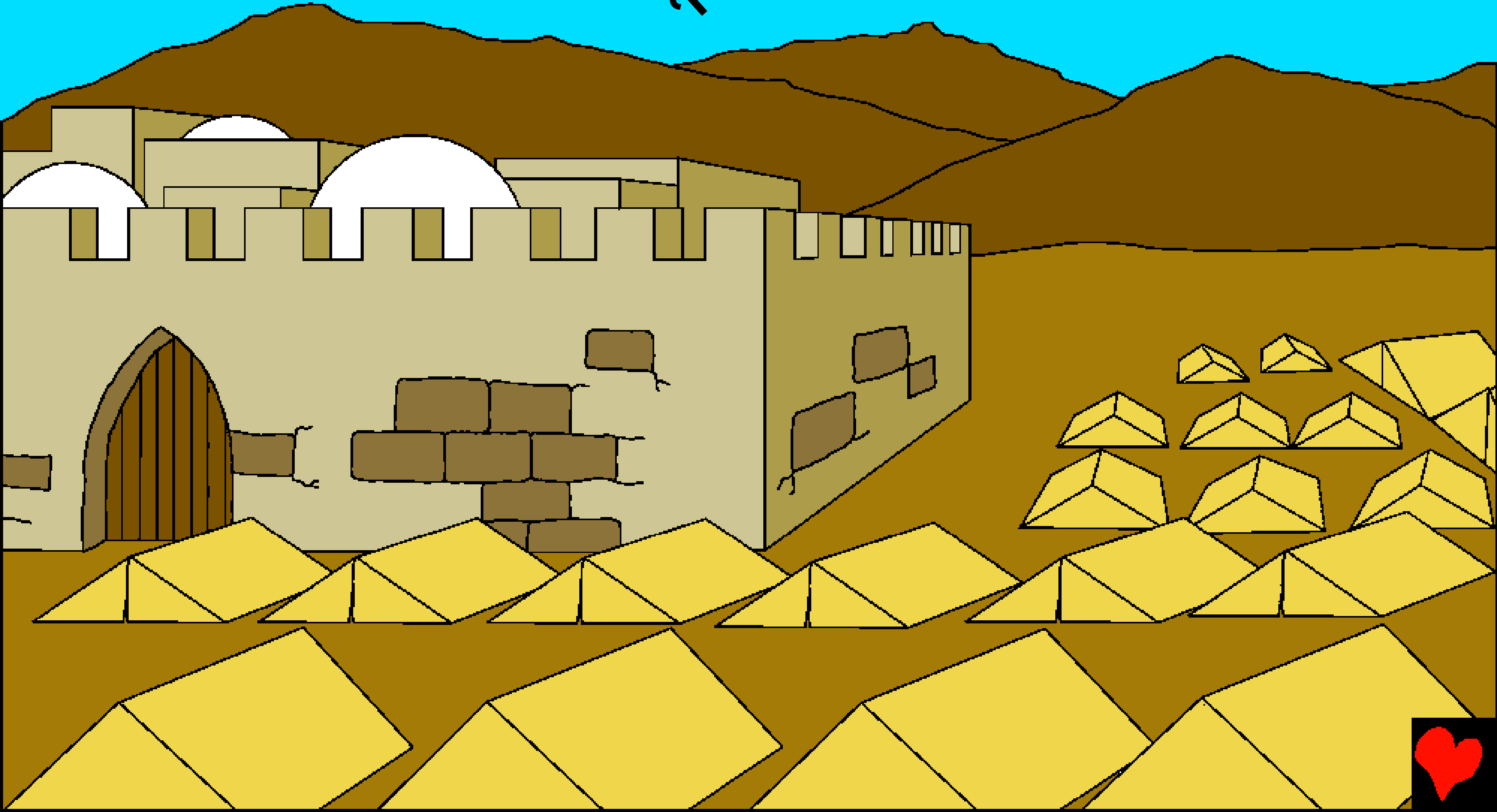

खतरे का समाचार राजा शाऊल तक पहुंचा। वह अपनी सेना के साथ तैयार हो गया।

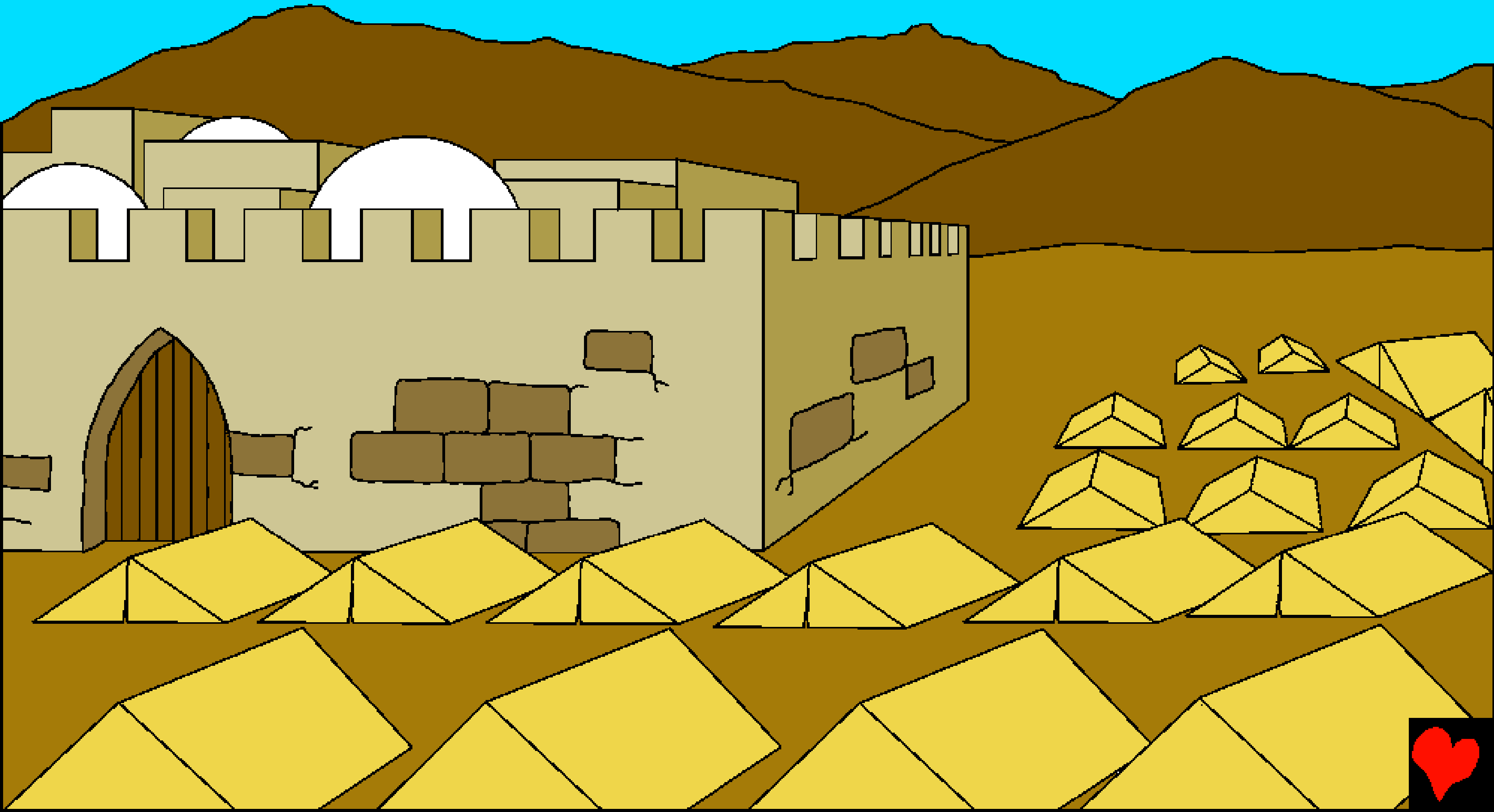

जब दोनो सेना आमने
सामने मिली तब शाऊल
ने अम्मोनियों को
नष्ट कर शहर को
बचा लिया। राजा
शाऊल ने परमेश्वर
को महिमा दी "आज
इस्राएल में परमेश्वर
उद्धार को पूरा
किया है!"

परमेश्वर ने उस दिन शाऊल को एक महान जीत दिया। परन्तु शाऊल परमेश्वर को हमेशा सम्मान नहीं दिया। एक दिन, पलिश्तियों से लड़ने से पहले, शाऊल ने परमेश्वर को एक बलिदान चढ़ायी।

उसे मालूम था की यह शमूएल का काम है।
वह यह भी जनता था कि परमेश्वर चाहता है
की जब तक शमूएल न
आये वह उसका इंतजार
करे। लेकिन शाऊल
परमेश्वर की बात
नहीं मानी!

जब शमूएल पहुंचा, उसने शाऊल से कहा "तुम मूर्खता का काम किये हो" तुम अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा को नहीं माना।

"अब तुम्हारा राज्य हमेशा के लिए नहीं रहेगा।" शाऊल यह सोचा होगा कि यह एक छोटा सा पाप है।

परन्तु परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन सदैव गंभीर होता है।

एक दूसरे समय पर, परमेश्वर ने अमालेक के दुष्ट लोगों को नष्ट करने के लिए शाऊल

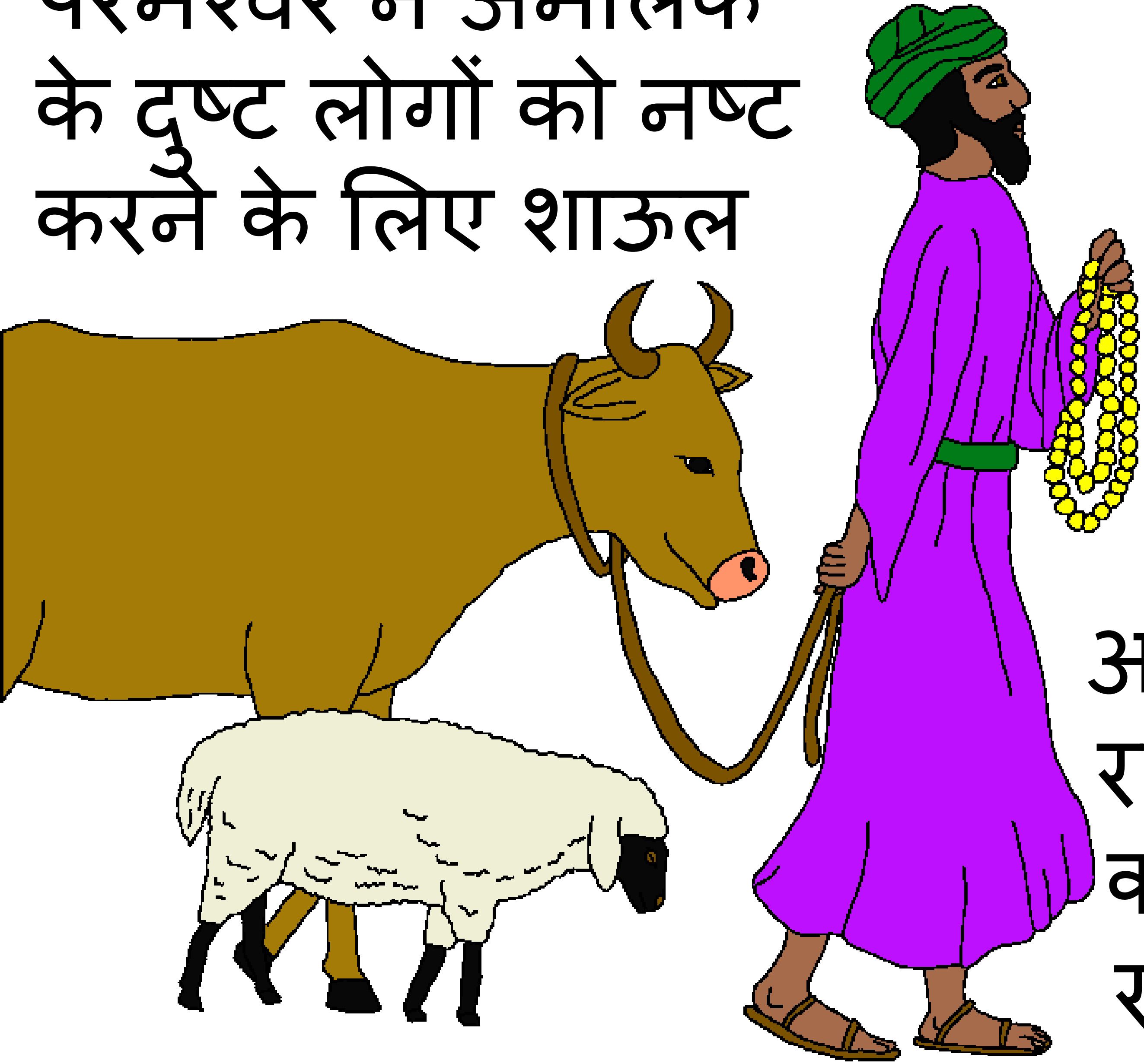

को आदेश दिया। लेकिन शाऊल और लोगों ने अमालेक के राजा आगाग़ को जीवित रहने दिया।

उन्होंने कीमती चीजें, भेड़ और बैल को भी रखा लिया। शाऊल ने

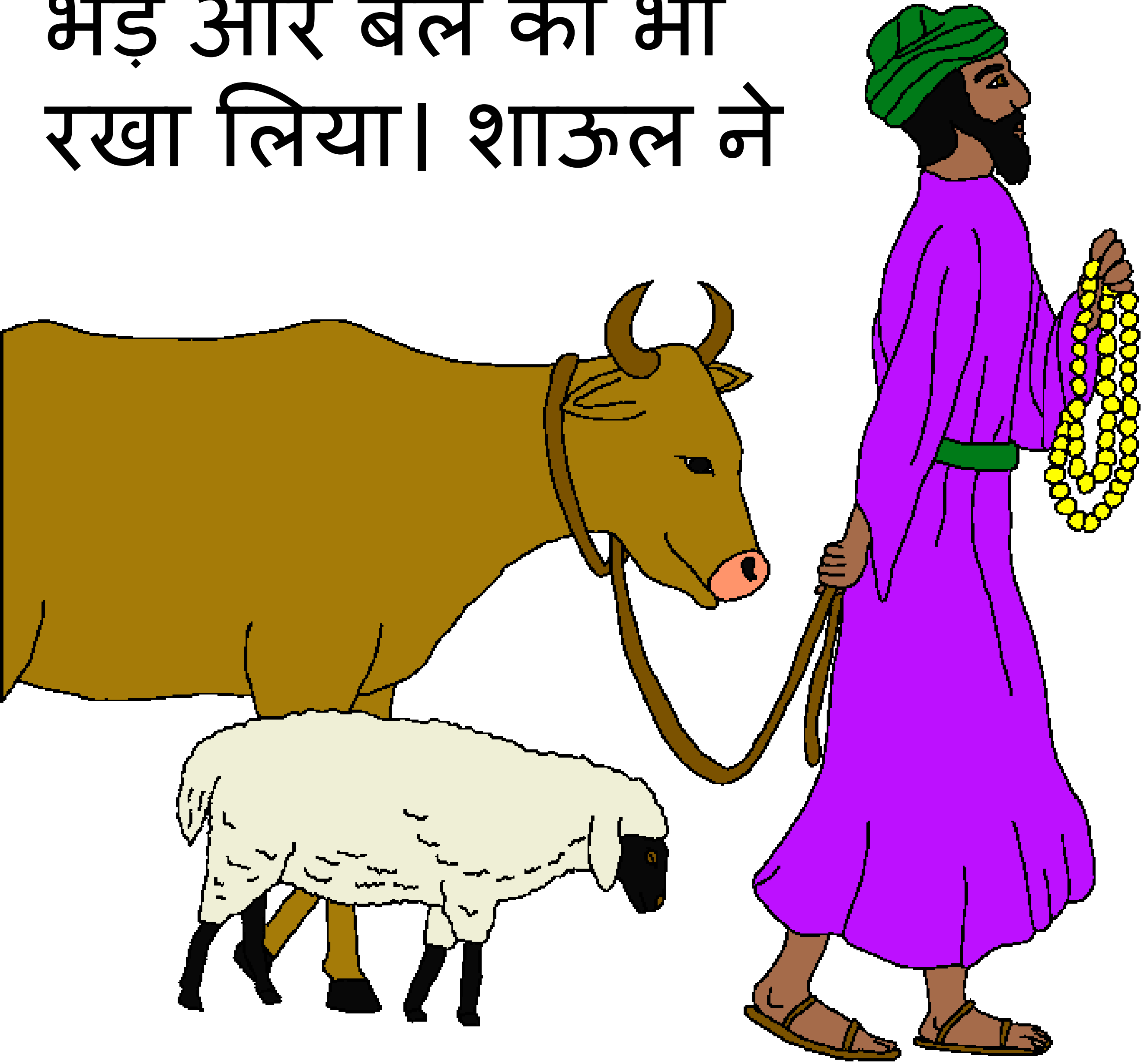

बताया की ये सब यहोवा को बलिदान करने के लिए रखा था।

शमूएल ने शाऊल को बताया कि आज्ञाकारिता बलिदान चढ़ाने से उत्तम है। तुमने परमेश्वर के आदेशों का त्याग किया है इस लिए अब यहोवा तुम्हे इस्राएल पर राजा होने से त्याग दिया है।

"शाऊल अपने पापों के लिए बहुत खेदित था। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी। यहोवा की आज्ञा का पालन नहीं करने के कारण जीवन के बाकी पलों में वह बहुत दुखी था।

सुन्दर मूर्ख राजा

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 शमूएल 8-16

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्‌भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16